

बांग्ला को शास्त्रीय भाषा तथा गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा देने की मांग

प्रलिस के लयः

शास्त्रीय भाषा, गंगासागर मेला, मकर संक्रांति, कुंभ मेला, कपलि मुनि मंदिर, हेमसि गोम्पा मेला, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ।

मेन्स के लयः

शास्त्रीय भाषा की स्थिति के लाभ, भारत में प्रमुख मेले ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, हट्टि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने दो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी मांग रखी, पहला बांग्ला के लय **शास्त्रीय भाषा** का दर्जा, जो विश्व की 7वीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा ।

गंगासागर मेला क्या है?

परचियः

- गंगासागर मेला, जो मकर संक्रांति (जनवरी के मध्य) के दौरान लगता है, कुंभ मेले के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा तीर्थ मेला है ।
- यह वार्षिक तीर्थ मेला लाखों लोगों को गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थिति सागर द्वीप की ओर आकर्षति करता है एवं प्रसदिध राजा भागीरथ द्वारा गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का समरण कराता है ।

मेले को राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त होने के लाभः

- पश्चिम बंगाल सरकार गंगासागर मेले को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग कर रही है, जसिसे केंद्रीय वतित पोषण और बुनयादी अवसंरचना के वकिस में वृद्धि होगी, जसिसे पश्चिम बंगाल में पर्यटन एवं आर्थिक गतविधियों को बढ़ावा मल्लिगा ।

भारत में अन्य प्रमुख मेलेः

- **कुंभ मेला**: यह हर 12 वर्ष में चार बार मनाया जाता है, यह प्रयागराज, हरदिवार, उज्जैन और नासकि में चार पवतिर नदियों पर चार तीर्थस्थलों के बीच आयोजति कयिा जाता है ।
 - अर्द्ध कुंभ मेला हर छठे वर्ष केवल दो स्थानों, हरदिवार और प्रयागराज में आयोजति कयिा जाता है ।
 - और प्रति 144 वर्ष बाद एक महाकुंभ का आयोजन होता है ।
- **पुष्कर मेला**: पुष्कर मेला राजस्थान के पुष्कर शहर में आयोजति होने वाला वार्षिक पाँच दविसीय ऊँट और पशुधन मेला है ।
 - यह विश्व के सबसे बड़े पशु मेलों में से एक है ।
- **हेमसि गोम्पा मेला**: भारत के सबसे उत्तरी कोने में, लद्दाख के ठंडे रेगसितान में 300 वर्ष पुराना वार्षिक मेला मनाया जाता है जसिसे हेमसि गोम्पा मेले के नाम से जाना जाता है ।
 - हेमसि मठ द्वारा गुरु पद्मसंभव की जयंती पर मेले का आयोजन कयिा जाता है ।

नोटः गंगासागर मेले को हाल ही में समुद्र के बढ़ते स्तर और सागर द्वीप पर कपलि मुनि मंदिर के पास समुद्र तट के कटाव के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है । कटाव का मुकाबला करने के लय डरेजगि और टेट्रापॉड के बावजूद स्थिति अनश्चिति बनी हुई है ।

शास्त्रीय भाषाएँ क्या हैं?

परिचय:

- 2004 में भारत सरकार ने "शास्त्रीय भाषाएँ" नामक भाषाओं की एक नई श्रेणी बनाने का निर्णय लिया।
- 2006 में इसने शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान करने के लिये मानदंड निर्धारित किये। अब तक 6 भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है।

क्रमांक	भाषा	घोषित वर्ष
1.	तमिल	2004
2.	संस्कृत	2005
3.	तेलुगु	2008
4.	कन्नड़	2008
5.	मलयालम	2013
6.	ओड़िया	2014

मापदंड:

- प्रारंभिक साहित्य एवं लिखित इतिहास अत्यंत पुराना है, जिसका इतिहास 1,500-2,000 वर्ष पुराना है।
- प्राचीन पुस्तकों या पांडुलिपियों के भंडार का स्वामित्व जिनमें पीढ़ियों से विशेषरूप से सांस्कृतिक वरिष्ठता के रूप में महत्त्व दिया गया है।
- एक ऐसी मूल साहित्यिक परंपरा की उपस्थिति जो किसी अन्य भाषण समुदाय से नहीं ली गई है।
- शास्त्रीय भाषा एवं साहित्य आधुनिक से भिन्न होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और उसके बाद के रूपों या उसकी शाखाओं के बीच एक वसिगता भी हो सकती है।

लाभ:

- एक बार जब किसी भाषा को शास्त्रीय घोषित कर दिया जाता है, तो उसे उस भाषा के अध्ययन के लिये उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त होती है साथ ही प्रतिष्ठित विद्वानों के लिये दो प्रमुख पुरस्कारों के लिये मार्ग भी खुल जाते हैं।
- इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुरोध किया जा सकता है कि कम से कम केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शास्त्रीय भाषाओं के प्रतिष्ठित विद्वानों के लिये एक नश्चिन्ता संख्या में पेशेवर सीटें निर्धारित की जाएँ।

नोट: भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषाओं को सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें वर्तमान में 22 भाषाएँ शामिल हैं: असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. हाल ही में निम्नलिखित में से कसि एक भाषा को शास्त्रीय भाषा (क्लासिकल लैंग्वेज) का दर्जा (स्टेटस) दिया गया है? (2015)

- (a) उड़िया
- (b) कोंकणी
- (c) भोजपुरी
- (d) असमिया

उत्तर: (a)

प्रश्न. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से कसि एक के अंतर्गत भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत भाषाओं में चार भाषाएँ जोड़ी गईं, जसिसे उनकी संख्या बढ़कर 22 हो गई? (2008)

- (a) संविधान (90वाँ संशोधन) अधिनियम
- (b) संविधान (91वाँ संशोधन) अधिनियम
- (c) संविधान (92वाँ संशोधन) अधिनियम
- (d) संविधान (93 संशोधन) अधिनियम

उत्तर: (c)

